कौटिल्य एकेडमी

अनुक्रमांक / Roll No.

परीक्षार्थी अपना अनुक्रमांक यहाँ लिखें।
Candidate should write his/her Roll No. here

कुल प्रश्नों की संख्या :
Total No. of Questions :

मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 05
No. of Printed Page : 05

M-2019-PAPER
Date : 09.02.2021
Paper-V (हिन्दी)

समय : 03 घण्टे
Time : 03 Hours

पूर्णांक : 200
Total Marks : 200

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश :
Instructions of the candidates :

1. प्रत्येक खण्ड में कुल तीन प्रकार के प्रश्न है। सभी प्रश्नों के उत्तर देने हैं।
2. प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने अंकित है।
3. प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए, जिसका चयन आपने आवेदन पत्र में किया है। किसी अन्य माध्यम में लिखे गये उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेगा।
4. जहाँ शब्द सीमा दी गई है उसका अवश्य पालन करे।
5. प्रश्न पत्र के अनुसार ही प्रश्नों के उत्तर क्रमानुसार दें। एक ही प्रश्न के विभिन्न भागों के उत्तर अनिवार्य रूप से एक साथ ही लिखे जायें तथा उनके बीच अन्य प्रश्नों के उत्तर न लिखे जायें।

भाग – अ (Part -A)

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक या दो पंक्तियों में दीजिए : **20×3 = 60**

Answer the following questions in one or two lines.

(A) परसर्ग तथा विभक्ति में अंतर?

(B) पर्यायवाची शब्द कितने प्रकार के होते है?

(C) औपचारिक पत्र किसे कहते है?

(D) करण तथा अपादान कारक में अंतर?

(E) समास किसे कहते है?

(F) उपसर्ग किसे कहते है, उदाहरण सहित लिखो?

(G) संधि व समास में अंतर?

(H) पल्लवन की तीन विशेषताएं?

(I) प्रारूप लेखन क्या है?

(J) अनुस्वार किसे कहते है?

(K) कंठ्य ध्वनियाँ किसे कहते है, उदाहरण सहित बताओ?

(L) परिपत्र कब लिखा जाता है?

(M) 11वाँ विश्व हिन्दी सम्मेलन कब, कहाँ हुआ व अध्यक्ष?

(N) कौरवी बोली किस उपवर्ग के अंतर्गत आती है?

(O) हिन्दी के पहले काल का सर्वाधिक उपयुक्त नाम?

(P) तालव्य ध्वनियों को लिखे?

(Q) यण संधि को सोदाहरण लिखे?

(R) उपसर्ग किसे कहते है?

(S) हिन्दी के पहले कवि कौन थे?

(T) कर्मधारय व बहुब्रीहि समास में अंतर बताएं?

प्रश्न 2. निम्नलिखित गद्यावतरण का हिन्दी से अंग्रेजी में अनुवाद कीजिए। **(20 अंक)**

हम यह स्वीकार करते है कि आज देश में अनेक प्रकार की बुराईयाँ हैं। भ्रष्टाचार रिश्वतखेरी का चारों का बोलबाला है और इस गंदे दलदल में साधारण जन ही नहीं बल्कि बड़े से बड़े उत्तरदायित्वपूर्ण शासनाधिकारी तक फंसे हुए है। इन दुर्गुणों में अंतर करना आवश्यक है किन्तु छात्रों और नवयुवकों से निवेदन करना चाहते है कि यह कार्य विध्वंसात्मक कार्यो से नहीं अपितु रचनात्मक योजनाओं से ही पूर्ण हो जायेगा। बात यह है कि जहाँ तक भी संभव हो छात्रों को राजनीति आदि के कुचक्र में फंसकर अपनी शिक्षा में बाधा नहीं डालनी चाहिए। विद्या और ज्ञान मनुष्य की सबसे बड़ी संपत्तियां है और उन्हें खोकर मनुष्य ठोकरे खाने के अतिरिक्त और कुछ भी नहीं पा सकता। फिर भी यदि हमारे छात्रों और नवयुवकों को राष्ट्र सुधार में रूचि है तो हम बड़े ही हर्ष और अभिमान से उनका आव्हान करने में अद्यत है।

अथवा

संघ का यह कर्तव्य होगा कि वह हिन्दी–भाषा का प्रसार बढ़ाए, उसका विकास करें, ताकि वह भारत की सामाजिक संस्कृति से सभी तत्वों को अभिव्यक्ति का माध्यम बन सकें और उसकी प्रवृत्ति में हस्तक्षेप किए बिना हिन्दुस्तानी के और आठवीं अनुसूची में विनिर्दिष्ट भारत की अन्य भाषाओं के प्रयुक्त रूप, शैली और पदों को आत्मसात करते हुए और जहाँ आवश्यक या वांछनीय हो, वहाँ उसके शब्द भण्डार के लिए मुख्यतः संस्कृत से और गौणतः अन्य भाषाओं से, शब्द ग्रहण करते हुए उसकी समृद्धि सुनिश्चित करें।

प्रश्न3. निम्नलिखित अंग्रेजी गद्यावतरण का हिन्दी में अनुवाद कीजिए। (15 अंक)

We the people of India, having solemnly resolved to constitute India into a Sovereign Socialist Secular Democratic Republic and to Secure to all its citizens : Justice, Social, Economic and Political, liberty of thought expression, belief faith and worship, equality of status and of oppourtunity : and to promote among them all fraternity assuring the dignity of the individual and the Unity and itergrity of the nation. In our Constitution Assembly. This Twenty Sixth day of November, 1949 do here by adopt. enact and give to ourselves this constitution.

Or

As laid down in our Constitution, the memorable occassion for the introduction of Hindi as the Official Language of the union of the 26th January, 1956 has come. As a matter of fact this is a turning point in history of all the Indian Languages, which may, new or in near future, be used for official purposes in the various States. It has, therefore, become necessary to make available forthwith a generally acceptable standard terminology which may be used in Hindi and other regional language forofficial correspondence and nothings.

4. निम्नलिखित का एक–तिहाई शब्दों में संक्षेपण कीजिए तथा रेखांकित पंक्तियों का भाव–पल्लवन अपने शब्दो में कीजिए। (अंक 10 + 5 = 15)

धीर पुरूष का मन समुद्र के समान होता हैं। यह गंभीर और अथाह होता है। समुद्र की तरह मर्यादा पालन में उसकी यह दशा है कि आनंद और ऐश्वर्य रूपी अनेक नद–नदियां उसमें गिरती है, पर क्या मजाल जो वह जरा भी मर्यादा का उल्लंघन करें। उसकी परिपूर्णता को देखिए, तप रूपी सूर्य उसमें दिन–रात तपस्या करता है, यही नहीं, चिंता रूपी विचार–वड़वाग्नि दिन–रात उसमें जला करती है पर उसमें जरा भी कमी नहीं होती। साथ ही जिस समय उसमें कोई तूफान आता है तो उस समय किसकी मजाल है जो उसे रोक सके, यह नहीं कि इधर पानी बरसा उधर पहाड़ी से निकली नदी उबल पड़ी।

अथवा

'स्वतंत्रता अपने आप में निरपेक्ष नहीं है। एक सीमा पार कर जाने के बाद स्वतंत्रता स्वेच्छाचारिता और उच्छृंखलता में बदल जाती हैं एक व्यक्ति को धन कमाने की स्वतंत्रता है, पर काले बाजार की अथवा लूटने की स्वतंत्रता नहीं है। हम एक पागल को गाड़ी चलाने की स्वतंत्रता नहीं दे सकते, जबकि एक सामान्य नागरिक को, जो गाड़ी चलाना जानता है, गाड़ी चलाने का आज्ञापत्र प्राप्त करने में कोई कठिनाई नहीं होती। हमको लाउडस्पीकर पर गाने की स्वतंत्रता है, किन्तु हमारे गाने से हमारे पड़ोसी के सोने की स्वतंत्रता नष्ट नहीं होनी चाहिए। जो स्वतंत्रता हमें प्राप्त है, वह दूसरे व्यक्ति की स्वतंत्रता में बाधक नहीं होनी चाहिए। हमें यह स्मरण रखना चाहिए कि हर स्वतंत्रता के साथ एक दायित्व का प्रश्न जुड़ा हुआ है।

5. स्वयं को जिलाधीश रतलाम मानते हुए आदेश निर्गित करें जिसमें अनलॉक के बाद बाजार रात 8 बजे तक खोलने के आदेश हो। **(अंक 15)**

अथवा

प्रारूप लेखन किसे कहते है, इसका क्या महत्व है, तथा बनाने की विधि।

6. अंग्रेजी/हिन्दी परिभाषिक शब्दों को हिन्दी/अंग्रेजी में अनुवाद करें? **(अंक 15)**

1. Quarterly
2. Surplus
3. Treasury
4. Verification

5. Buffer Stock
6. दूतावास
7. मताधिकार
8. राज–पत्र
9. न्यायिक अधिकार
10. अनुमोदन

7. निम्नलिखित कहावतों/मुहावरों में से किन्हीं पाँच का अर्थ स्पष्ट करते हुए उनका वाक्यों में प्रयोग करें : (3×5 = 15)

i. अपना उल्लू सीधा करना
ii. हस्तमलक होना
iii. तोते उड़ जाना
iv. खिसयानी बिल्ली खम्भा नोंचे
v. गंगा गए गंगादास, जमुना गए जमुनादास
vi. अंधो में काने राजा
vii. हाथ आगे बढ़ाना
viii. गुदढ़ी का लाल होना

8. निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच के उत्तर दीजिए– (3×5 = 15)

i. मदार्द्र का समास विग्रह कर नाम लिखो?
ii. विनायक का संधि विच्छेद करें व नाम लिखों?
iii. घर–संसार में समास बताइए?
iv. प्रति+उपकार की संधि बनाओ?
v. शुष्क का विलोम लिखो?
vi. शुक के तीन पर्यायवाची बताइए?
vii. कर्ण और करण के अर्थ

9. निम्नलिखित गद्यांश के आधार पर नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर लिखिए : (15 अंक)

आधुनिक मानव समाज में एक और विज्ञान को भी चकित कर देने वाली उपलब्धियों से निरंतर सभ्यता का विकास हो रहा है, तो दूसरी ओर मानव मूल्यों का ह्रास होने से उत्तरोत्तर गूढ़ होती जा रही है। अनेक सामाजिक और आर्थिक समस्याओं का शिकार आज मनुष्य विवेक और ईमानदारी को त्याग कर भौतिक स्तर से ऊँचा उठने का प्रयत्न कर रहा है। वह सफलता पाने की लालसा में उचित और अनुचित की चिंता नहीं करता। उसे तो बस साध्य को पाने की प्रबल इच्छा रहती है। ऐश्वर्य की प्राप्ति के लिए वह भयंकर अपराध करने में भी संकोच नहीं करता। वह इनके नित नये–नये रूपों की खोज करने में अपनी बुद्धि का अपव्यय कर रहा है। आज हमारे सामने यह प्रमुख समस्या है कि इस अपराध वृत्ति पर नैतिक मूल्यों को तिलांजलि देकर समाज के सुख की कामना करना स्वप्न मात्र है।

(i) मनुष्य आज किन समस्याओं का शिकार है?
(ii) भौतिक स्तर से ऊँचा उठने के लिए मनुष्य क्या कर रहा है?
(iiii) नैतिक मूल्य क्या है?
(iv) आधुनिक मनुष्य की प्रबल इच्छा क्या करती है?
(v) किन चीजों को त्यागतर समाज में सुख की कामना करना व्यर्थ हैं?

अथवा

'पुस्तकालय सभ्यता के विकास का प्रत्यक्ष प्रमाण प्रस्तुत करता हैं इसी के परिप्रेक्ष्य में भारत अपने अतीत पर गर्व कर सकता है। भारत के संदर्भ में पुस्तकालय कोई नई चीज नहीं है, लिपी के आविष्कार से लेकर आज तक लोग निरंतर पुस्तकों का संग्रह करते रहे है। मुद्रणकला के आविष्कार से पहले पुस्तकों का संग्रह करना आसान नहीं था। आजकल साधारण स्थिति के पुस्तकालय में जितनी संपत्ति लगती है उतनी उन दिनों कभी–कभी एक पुस्तक को तैयार करने में लग जाया करती थी। इसके बावजूद भारत के पुस्तकालय अपने पुस्तक संग्रह के लिए विश्वविख्यात थे। यही कारण है कि चीन, फारस जैसे सुदूरवर्ती देशों के झुण्ड विद्यानुरागी लम्बी यात्राएं करके भारत आया करते थे।'

(i) उपयुक्त गद्यांश का उचित शीर्षक दीजिए?

(ii) किसी भी सभ्यता के विकास का प्रत्यक्ष प्रमाण क्या है?

(iii) मुद्रणकला के आविष्कार से पहले पुस्तकों का संग्रह अत्यंत कठिन क्यों था?

(iv) पुस्तकालयों के कारण भारत को क्या गौरव प्राप्त था?

(v) भारत में पुस्तकों का संग्रह कब से होता रहा हैं?

10. इन्दौर में कोविड–19 की गतिविधियों की जाँच हेतु अध्यक्ष श्री अ.ब.स. के नेतृत्व में गठित कमेटी द्वारा प्रतिवेदन प्रस्तुत करें। **(15 अंक)**

अथवा

हाल में हुए किसी विश्वस्तरीय सम्मेलन पर प्रतिवेदन लिखिए?

KAUTILYA ACADEMY
INDORE